पद २४५ (रागः काफी – तालः दीपचंदी) गोपीगृहीं दिध चोरिसिदा। नोडिरम्मा यन्ना।।ध्रु.।। मस्तकदिल्ल

मुगुट। मुखकरदल्लि मुरली। कुंडल मकराकारा।।१।। कस्तुरी

तिलक कंठदल्लि पदका। शंख चक्र गोवर्धन धारा।।२।। माणिकने

प्रभु कंसवधाता। पीतवसन नंदिकशोरा।।३।।